



बिहार गजट

असाधारण अंक

28 पौष 1931 (२०)

(सं० पट्टना ५६) पट्टना, सोमवार, १८ जनवरी २०१०

स्वास्थ्य विभाग

अधिसचना

15 जनवरी 2010

सं0 16/सी0-1-24/08-31/(दोचि0) — समादेश याचिका संख्या 3777/2008 (डा० एजाज अंसारी बनाम यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य) में दिनांक 24 जून 2008 को पारित न्यायादेश के अनुपालन में विभागीय अधिसूचना सं0 716(दोचि0), दिनांक 21 नवम्बर 1992 में निहित निर्णय को इस हद तक संशोधित करने का प्रस्ताव राज्य सरकार के समक्ष विचाराधीन था कि केन्द्रीय होमिनेपैथिक रेगुलेशन लागू होने के वर्ष 1983 तक चतुर्थवर्षीय डी०एच०एम०एस० (डिस्ट्रोमा) कोर्स में नामांकित छात्रों के डिस्ट्रोमा की मान्यता डिग्री के समतल्य प्रदान की जाय।

2. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (आयुष विभाग) भारत सरकार नई दिल्ली से इस संबंध में परामर्श प्राप्त किया गया। आयुष विभाग के पत्रांक आर-13040/59/2008 एच0डी0 (टेक) दिनांक 9 अक्टूबर 2009 द्वारा समादेश याचिका संख्या-3777/2008, में दिनांक 24 जून 2008 को माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के आलोक में कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

3. अतः सम्यक विचारोपरान्त केंद्रीय हेमियोपैथिक रेगुलेशन लागू होने के वर्ष 1983 तक चतुर्थवर्षीय डी0एच0एम0एस0 (डिप्लोमा इन होमियोपैथिक मेडिसीन एवं सर्जरी) कोर्स में नामांकित छात्र भले ही उसका परीक्षाफल 1983 के बाद प्रकाशित हुआ हो, के डिप्लोमा (Diploma) की मान्यता सभी प्रयोजनों के लिए डिग्री (B.H.M.S.) के समतुल्य प्रदान की जाती है।

4. यह अधिसचना ताल्गलिक प्रभाव से लाग होगी ।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
राम कुमार पाण्डेय,
सरकार के संयुक्त सचिव ।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 56-571+500-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>